ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, बुधवार 04 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 66

कोरोना का नया वैरिएंट 27 राज्यों में फैला:4302 एक्टिव केस, 44 मौतें; केरल के अस्पतालों में मॉक ड्रिल होगी, हिमाचल में मास्क जरूरी

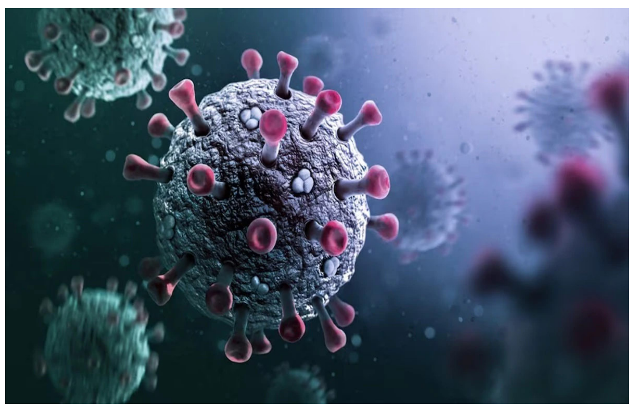

देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ही 300 नए केस मिले। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गई है। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 पहुंच गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हुई है।

हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया। इसके बाद राज्य सरकार ने देर रात एडवाइजरी जारी कर सभी हॉस्पिटल में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। वहीं केरल सरकार ने नई गाइडलाइन के तहत सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया है।

देश में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस केरल राज्य में हैं। इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को हॉस्पिटल और हेल्थ वर्कर्स के लिए गाइडलाइंस जारी की है। इसके तहत राज्य के सभी हॉस्पिटल्स में मॉक ड्रिल होगी। इस दौरान कोरोना से बचाव के तरीकों को बताया जाएगा।

साथ ही सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। हॉस्पिटल में मास्क लगाने के बाद ही एंट्री मिलेगी।

केंद्र सरकार ने कहा- कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां पूरी

केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं। सभी राज्यों के हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने संबंधित सचिवों और मंत्रियों से बातचीत की है।

उन्होंने आगे कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, ICU बेड जैसी चीजों की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां जारी हैं।

जल्द जारी होगी PM किसान की 20वीं किस्त:PM मोदी 9 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे 2-2 हजार रुपए

24 न्यूज अपडेट

पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त इसी महीने यानी जून में जारी हो सकती है। पीएम किसान योजना के तहत हर चार महीने में 2000-2000 रुपए की किस्त ट्रांसफर की जाती है।

चूंकि 19वीं किस्त फरवरी में जारी की गई थी, इसलिए 20वीं किस्त जून में किसी भी समय जारी होने की उम्मीद है। हालांकि, सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर सटीक तारीख की घोषणा नहीं की है।

24 फरवरी को जारी हुई थी 19वीं किस्त

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को पीएम-किसान योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। इसके तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई थी।

किसानों में हर साल मिलते हैं 6 हजार रुपए

इस योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें, साल में (कुल 6000 रुपए)दी जाती हैं। इस योजना की शुरुआत 2019 में किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए की गई थी।यह राशि लाभार्थियों के बैंक खातों जमा कर दी जाती है। शुरुआत में जब PM-किसान योजना शुरू की गई थी (फरवरी, 2019), इसका लाभ केवल छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों के लिए था। इसमें वो किसान शामिल थे जिनके पास 2 हेक्टेयर तक की कम्बाइन्ड लैंड होल्डिंग (संयुक्त भूमि) थी। जून 2019 में स्कीम को रिवाइज किया गया और इसका दायरा बढ़ाया गया। हालांकि, कुछ किसानों को अभी भी इस योजना से बाहर रखा गया है। PM किसान से बाहर किए गए लोगों में संस्थागत भूमि धारक, संवैधानिक पदों पर बैठे किसान परिवार, राज्य या केंद्र सरकार के सेवारत या रिटायर्ड अधिकारी और कर्मचारी हैं। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और सरकारी स्वायत्त निकाय के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हैं।

RCB की विक्ट्री परेड में भगदड़, 7 की मौत:20 लोग घायल; बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 50 हजार लोग मौजूद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री परेड में बुधवार को भगदड़ मच गई। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं।

भीड़ में एक बच्चा भी बेहोश हो गया। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, मरने वालों की संख्या ज्यादा है।

हादसा उस वक्त हुआ जब विधानसभा में टीम का सम्मान हो रहा था। टीम के इंतजार में 50 हजार से ज्यादा फैन चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जमा हैं। इस दौरान पुलिस लाठीचार्ज भी हुआ।

एयरपोर्ट पर मौजूद थी हजारों की भीड़: टीम जब एयरपोर्ट पहुंची तो हजारों लोग वहां मौजूद थे। टीम होटल से विधानसभा के लिए निकली। कर्नाटक के CM सिद्धारमैया ने विधानसभा में टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की। टीम विधानसभा पहुंची, यहां मुख्यमंत्री ने उनका सम्मान किया। यहां से टीम अब चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंच चुकी है।

RCB ने एक दिन पहले मंगलवार को IPL में अपना पहला टाइटल जीता था। टीम ने पंजाब किंग्स (PBKS) को 6 रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में IPL को 8वां चैंपियन मिला।

अक्टूबर 2026 से 4 राज्यों में जातीय जनगणना:बाकी राज्यों में मार्च 2027 से होगी; केंद्र ने 1 महीने पहले कास्ट सेंसस की घोषणा की थी

केंद्र सरकार दो फेज में जातीय जनगणना कराएगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 4 पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जातीय जनगणना कराई जाएगी।

1 मार्च 2027 से दूसरे फेज में बाकी राज्यों को कवर किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने अपने प्रेस रिलीज में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनसंख्या जनगणना भी कराने का फैसला लिया गया है। इससे जुड़ा नोटिफिकेशन 16 जून 2025 तक आधिकारिक राजपत्र में पब्लिश किया जाएगा।

केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा।

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।

जनगणना एक्ट 1948 में एससी- एसटी की गणना का प्रावधान है। ओबीसी की गणना के लिए इसमें संशोधन करना होगा। इससे ओबीसी की 2,650 जातियों के आंकड़े सामने आएंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, 1,270 एससी, 748 एसटी जातियां हैं। 2011 में एससी आबादी 16.6% और एसटी 8.6% थी।

चांदी ऑल टाइम हाई पर पहुंची:1 लाख 1 हजार किलो का हाई बनाया, सोना 96,747 प्रति 10 ग्राम बिक रहा

24 न्यूज अपडेट

चांदी के दाम आज यानी 4 जून को 1,01,000 का ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार आज 1 किलो चांदी का भाव 540 बढ़कर 1,01,000 प्रति किलो पर ओपन हुआ था। हालांकि इसके बाद चांदी थोड़ी नीचे आई और ये 1,00,980 प्रति किलो बंद हुई। इससे पहले चांदी का भाव 1,00,460 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। सोने के दाम में आज मामूली गिरावट रही। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 120 घटकर 96,747 पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 96,867 प्रति 10 ग्राम थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 ऑल टाइम हाई बनाया था।

हनीमून मनाने गए इंदौर के युवक का शव घर पहुंचा:शिलांग में पेड़ काटने के हथियार से हुई थी हत्या; पत्नी अब भी लापता

मेघालय से ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी का शव बुधवार शाम करीब पांच बजे इंदौर पहुंचा। एयरपोर्ट से पहले शव को घर ले जाया गया। कुछ देर रुकने और अंतिम यात्रा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को रीजनल पार्क मुक्तिधाम ले जाया गया। शव के अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार और नजदीकी पहुंचे थे।

इससे पहले मंगलवार को पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने बताया था कि राजा रघुवंशी की हत्या पेड़ काटने के हथियार से की गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। एसपी विवेक सिम ने बताया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। अब जल्द ही इस मामले में खुलासा किया जाएगा। बता दें कि हनीमून पर मेघालय के शिलांग गए इंदौर के राजा रघुवंशी का शव 11 दिन बाद सोमवार को एक गहरी खाई में मिला था। मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी अभी भी लापता है। जिसकी तलाश में एनडीआरएफ भी सर्च ऑपरेशन चला रही है।

राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में अपहरण और हत्या की आशंका जताई थी। विपिन ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही मेघालय पुलिस पर मामले को दबाने का आरोप लगाया है।

इलॉन मस्क के पिता कुर्ता-पायजामा में अयोध्या पहुंचे:हाथ जोड़कर नमस्कार किया; बेटी भी साथ; रामलला-हनुमानगढ़ी के दर्शन किए

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क के पिता इरॉल मस्क बुधवार को अयोध्या पहुंचे। वे दिल्ली से प्राइवेट जेट से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ बेटी एलेक्जेंड्रा मस्क, मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा समेत 16 लोग आए थे।

कुर्ता-पायजामा पहने इरॉल मस्क एयरपोर्ट से सीधे राम मंदिर पहुंचे। वहां दर्शन-पूजन किया। करीब 40 मिनट तक राम मंदिर में रुके। इस दौरान राम मंदिर के बारे में जानकारी ली। ट्रस्ट के लोगों ने इरॉल को रामलला का प्रसाद भेंट किया।

इसके बाद इरॉल मस्क हनुमानगढ़ी पहुंचे। दर्शन-पूजन कर परिक्रमा की। संकटमोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास और हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने उनको रामनामी पटका और हनुमानजी का चित्र भेंट दिया। इरॉल मस्क और उनकी बेटी एलेक्जेंड्रा को गुलाब का माला पहनाई गई। हनुमानजी का तिलक लगाया गया।

वह करीब 30 मिनट तक हनुमानगढ़ी में रहे। इस दौरान संत-महंतों से बात की। फिर इरॉल मस्क अयोध्या एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना हो गए। इस दौरान थ्री लेयर सिक्योरिटी का इंतजाम रहा। ड्रोन और CCTV से निगरानी की गई।

इरॉल मस्क 1 जून को भारत आए थे। दिल्ली में एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने राम मंदिर को लेकर कहा था- मैं अयोध्या में राम मंदिर देखने के लिए उत्सुक हूं। भारत का इतिहास अविश्वसनीय है।

उन्होंने कहा- मेरे विचार में विश्व का इतिहास किसी न किसी रूप में भारत से जुड़ा है। वेद 14,000 साल पुराने हैं, शायद उससे भी अधिक। वेदों में उड़ने वाले यानों (विमान) का उल्लेख है। मैंने एक किताब लिखी है, जिसमें भारत, कश्मीर और दिल्ली की कहानियां शामिल हैं। भारत एक बेहद आकर्षक देश है।

CJI बोले- कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना कर सकते हैं: लेकिन न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं, जज किसी भी बाहरी दबाव से मुक्त रहें

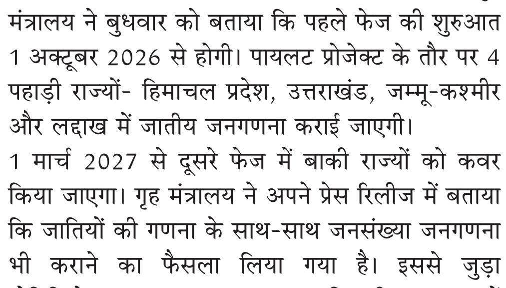

चीफ जस्टिस बी.आर. गवई ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना हो सकती है, लेकिन किसी भी व्यवस्था में न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं होना चाहिए। न्यायाधीशों को किसी भी बाहरी दबाव से मुक्त रहना चाहिए।

CJI ने कहा- 1993 से पहले भारत में जजों की नियुक्ति का अंतिम फैसला सरकार के पास होता था और इस दौरान दो बार ऐसा हुआ जब सरकार ने सीनियर जजों को नजरअंदाज कर किसी और को मुख्य न्यायाधीश बना दिया। वहीं, उन्होंने रिटायर जजों के चुनाव लड़ने पर भी सवाल किया।

CJI गवई लंदन में UK सुप्रीम कोर्ट की ओर से आयोजित राउंड-टेबल में बोल रहे थे। इस चर्चा में भारत से जस्टिस विक्रम नाथ और UK की सुप्रीम कोर्ट की जज बैरोनेस कार और जज जॉर्ज लेगैट भी शामिल हुए।

1. 1964-1977 में सीनियर जजों को नजरअंदाज किया गया

गवई ने कहा कि 1964 में जस्टिस सैयद जाफर इमाम को खराब स्वास्थ्य के चलते मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और उनकी जगह पी.बी. गजेन्द्र गडकर को नियुक्त किया गया। वहीं 1977 में जस्टिस एच.आर. खन्ना को इमरजेंसी के दौरान सरकार के खिलाफ फैसला देने पर नजरअंदाज कर दिया गया।

जस्टिस खन्ना ने अपने ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि "आपातकाल के दौरान भी नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म नहीं होते", जिसे तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने पसंद नहीं किया।

2. 1993 में आया कॉलेजियम सिस्टम

इसके बाद 1993 और 1998 में सुप्रीम कोर्ट ने यह तय किया कि मुख्य न्यायाधीश और चार सीनियर जज मिलकर कॉलेजियम बनाएंगे, जो जजों की नियुक्ति की सिफारिश करेगा।

3. NJAC को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

गवई ने बताया कि 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन (NJAC) कानून को रद्द कर दिया क्योंकि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करता था। यह कानून केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की जगह लागू करने की कोशिश की थी।

4. रिटायर जजों के चुनाव लड़ने पर भी सवाल किया

CJI गवई ने यह भी कहा कि रिटायरमेंट के बाद जजों का सरकार से कोई पद लेना या चुनाव लड़ना गंभीर नैतिक चिंता का विषय है। इससे जनता में यह संदेश जा सकता है कि फैसले भविष्य की पद-लाभ की उम्मीद में दिए गए थे।

सेंसेक्स 260 अंक चढ़कर 80,998 पर बंद हुआ:निफ्टी में 77 अंक की तेजी रही; IT और बैंकिंग शेयर चढ़े

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 4 जून को तेजी रही। सेंसेक्स 260 अंक की बढ़त के साथ 80,998 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 78 अंक की बढ़त के साथ 24,620 के स्तर पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट रही। मेटल, ऑटो, बैंकिंग और IT शेयर में ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं रियल्टी शेयर्स में 0.70% की गिरावट रही। इसके अलावा आज मेन बोर्ड सेगमेंट IPO स्कोडा ट्यूब्स के शेयर की बाजार में फ्लैट लिस्टिंग हुई।

संपादकीय : अमानुष मानुष

दिव्यांग जनों को सामान्य नागरिक अधिकार और सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर सुनिश्चित कराना सरकारों के सामने बड़ी चुनौती है। शिक्षा का स्तर ऊंचा होने के बावजूद, आज भी ऐसे लोगों के प्रति हमारे समाज का नजरिया संकुचित और अनेक बार अमानुषिक ही देखा जाता है। हालांकि सरकारें ऐसे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, चिकित्सा, प्रशिक्षण आदि के लिए अलग से वित्तीय प्रबंध करती हैं, इनके लिए चलाए जा रहे केंद्रों को प्रोत्साहित करती हैं। फिर भी दिव्यांग जनों के जीवन में अपेक्षित बेहतरी नजर नहीं आती। इसलिए कि बहुत बार न केवल समाज के सामान्य लोगों, बल्कि उनके लिए विशेष रूप से चलाए जा रहे केंद्रों का दृष्टिकोण भी अमानवीय ही होता है। इसका ताजा उदाहरण देहरादून के एक केंद्र में मानसिक रूप से कमजोर दो सगे भाइयों के साथ क्रूर व्यवहार और यौन शोषण का है। यह केंद्र विशेष लालन- पालन और शिक्षा की दरकार वाले बच्चों के लिए खोला गया था। उसमें छात्रावास का भी प्रबंध था। खबर के मुताबिक, दिल्ली की एक संस्था ने देहरादून में किराए के भवन में यह केंद्र खोला था। मगर उस केंद्र में बच्चों की देखरेख करने वाला एक कर्मचारी वहां के बच्चों का यौन शोषण और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। सगे भाइयों ने अपनी मां से आपबीती बताई तो उसने प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य बाल कल्याण समिति ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को बंद करा दिया है। पर यह सवाल अपनी जगह है कि इससे कितने ऐसे केंद्र सबक लेंगे। यह कोई पहली घटना नहीं है। दिव्यांगजनों, महिलाओं, अनाथ बालिकाओं, बेसहारा बच्चों के लिए बने केंद्रों में प्रताड़ना और यौन शोषण के मामले अक्सर उजागर होते रहते हैं। प्रताड़ना, दुर्व्यवस्था आदि से परेशान होकर अनाथालयों, बाल सुधार गृहों से बच्चों के पलायन की खबरें भी जब-तब सुनने को मिल जाती हैं। हर बार ऐसे केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त करने के संकल्प दोहराए जाते हैं, पर नतीजा वही ढाक के तीन पात रहता है। इस प्रवृत्ति के पनपने के पीछे बड़ी वजह है कि दिव्यांगों, बेसहारा बच्चियों आदि के लिए चलाए जाने वाले केंद्रों का मकसद लाभ कमाना अधिक होता है। उनकी नजर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली वित्तीय मदद पर अधिक रहती है। यही वजह है कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए प्रशिक्षित और निष्ठावान अध्यापकों, पालकों, कर्मचारियों की जरूरत को सिरे से अनदेखा किया जाता है। ज्यादातर जगहों पर घरेलू सहायक और सामान्य रसोइया किस्म के कर्मचारियों से काम चलाया जाता है। दिव्यांग जनों, खासकर मानसिक रूप से दुर्बल माने जाने वाले विशेष बच्चों की देखरेख और शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत होती है ऐसे कर्मचारी तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण संस्थान भी चलाए जाते हैं। मगर सरकारी अनुदान से स्वयंसेवी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे बहुत सारे केंद्रों में धन की बचत के लोभ में कम वेतन पर अक्सर अप्रशिक्षित और गैर-जिम्मेदार कर्मचारी भर्ती कर लिए जाते हैं। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि जो बच्चे जन्म से दिव्यांगता का दंश झेल रहे हैं, उनके मन पर ऐसे केंद्रों के कर्मचारियों के अमानुषिक व्यवहार का कैसा प्रभाव पड़ता होगा। ऐसी घटनाएं केवल कुछ कानूनी नुक्तों के आधार पर की जाने वाली कार्रवाइयों से नहीं रुकने वालीं। संस्था चलाने वालों में करुणा पैदा होना जरूरी है।

तबाही की बारिश

पूर्वोत्तर में इस बार भी बारिश ने तबाही मचा दी है। लाखों लोगों का जीवन संकट में है । असम सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, मानवीय संकट भी है। वर्तमान स्थिति का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन तो है ही, कमजोर बुनियादी ढांचा भी है। पूर्वोत्तर के कई राज्य हर बार भारी बारिश का सामना करते हैं। इस दौरान नदियां उफन पड़ती हैं। जर्जर तटबंध पानी के वेग को संभाल नहीं पाते। नतीजा यह कि कई जिले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद हो जाती हैं। दरअसल, जंगलों की कटाई, अवैध खनन और अनियोजित शहरीकरण से यह समस्या बड़ी है। पूर्वोत्तर में आपदा प्रबंधन आज तक मजबूत नहीं बन पाया है, तो इसकी क्या वजह है? मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल सहित कई राज्य इस बार भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रपट के मुताबिक 764 गांव जलमग्न हो गए हैं। पूरे पूर्वोत्तर में बरसात के दिनों में यही तस्वीर दिखती है। सवाल है कि बाढ़ से बचाव के लिए राज्य सरकारें पहले से तैयारी क्यों नहीं करतीं। जलवायु विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर जलवायु अनुकूल रणनीति और योजनाएं नहीं बनाई गई, तो भविष्य में बारिश बड़े पैमाने पर तबाही ला सकती है। मौसम वैज्ञानिक पहले से ही बताते रहे हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की संरचना नाजुक है। ऐसे में, जल निकासी का व्याप प्रबंधन न होने से मूसलाधार बारिश के दौरान जल प्रवाह को संभालना मुश्किल होता है। वहीं उफनती नदियां तबाही मचा देती हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विभाग की रपट बताती है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच मेघालय, अरुणाचल और असम में 33 फीसद बारिश बढ़ी है। ऐसे में आपदा प्रबंधन से जुड़े योजनाकारों और मौसम विज्ञानियों को बारिश में आई तीव्रता और मौसम के बदलते मिजाज को समझना होगा। प्राकृतिक आपदा के कारण नागरिक बेघर न हों, इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए। हर वर्ष तबाही की बारिश से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की ठोस योजनाएं बनाना वक्त का तकाजा है।

उदयपुरः मेरियट होटल में अवैध शराब का भंडाफोड़, होटल मैनेजर सहित दो गिरफ्तार

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के भुवाणा क्षेत्र में आबकारी विभाग ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार का भंडाफोड़ किया। विभाग की तीन टीमों ने एक मकान और फतेहसागर रोड स्थित शहर के प्रतिष्ठित मेरियट होटल पर एक साथ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित शराब जब्त की। इस कार्रवाई में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें होटल का मैनेजर भी शामिल है। हरियाणा की शराब पर लगे थे राजस्थान के नकली लेबल अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत ने जानकारी दी कि आरोपी अन्य राज्यों से लाई गई शराब पर राजस्थान में बिक्री के लिए अधिकृत होने का नकली लेबल और होलोग्राम चिपकाकर उसे वैध बताने की कोशिश कर रहे थे। ये शराबें होटल और स्थानीय मदिरा दुकानों में सप्लाई की जा रही थीं।

तीन टीमें, दो ठिकाने, एक बड़ा नेटवर्क

इस पूरी कार्रवाई के लिए विभाग ने विशेष रूप से तीन टीमें गठित की थीं। सबसे पहले भुवाणा क्षेत्र के एक मकान पर छापेमारी कर हरियाणा में बिक्री योग्य शराब की तीन बोतलें जब्त की गईं। यहां से आरोपी आदिल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद आदिल की निशानदेही पर मेरियट होटल पर छापा मारा गया, जहां से 36 बोतल प्रतिबंधित शराब बरामद की गई।

होटल मैनेजर अंकित सिकरवाल गिरफ्तार

मेरियट होटल से शराब बरामद होने के बाद होटल के मैनेजर अंकित सिकरवाल को मौके से ही हिरासत में लिया गया। प्राथमिक पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, मुख्य आरोपी आदिल को आबकारी रिमांड पर लिया गया है ताकि नेटवर्क की गहराई से जांच की जा सके।

मदिरा दुकान से भी जब्त हुई संदिग्ध शराब

इसी दौरान आबकारी विभाग की एक अन्य टीम ने एक मदिरा दुकान से भी संदिग्ध शराब जब्त की है। फिलहाल इस शराब के सैंपल को जांच के लिए भेजा गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि इसमें भी नकली लेबल और होलोग्राम का उपयोग किया गया था या नहीं।

कार्रवाई में ये अधिकारी रहे शामिल

इस समूची कार्रवाई में आबकारी निरीक्षक मुरलीधर सौदा, नरेश सुहैल, मनीषा पुरोहित और सहायक आबकारी अधिकारी गणपतलाल की विशेष भूमिका रही। तीनों टीमें पूरी सर्तकता और योजना के साथ काम करते हुए एक ही दिन में दो ठिकानों पर सफलता पूर्वक कार्रवाई करने में सफल रहीं।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां शुरू, जगदीश मंदिर में पोस्टर विमोचन, इस बार विज्ञापनों पर रहेगी पाबंदी

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा को की तैयारियां जोरों पर हैं। परंपरागत रूप से हर वर्ष निकलने वाली यह भव्य शोभायात्रा इस बार 29 जून को नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए निकाली जाएगी। इसी क्रम में मंगलवार को जगदीश मंदिर प्रांगण में रथ यात्रा के आधिकारिक पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। इस बार विज्ञापन पर पाबंदियां लगा होंगी जिसमें समिति की ओर से 2100 रूपए लेकर पहले से तय किए गए साइज का विज्ञापन बनवाकर खुद लगवाया जाएगा। कोई भी जगदीश चौक में बड़ा विज्ञापन या कट आउट नहीं लगवा पाएगा। पिछली बार बड़े विज्ञापनों को लेकर विवाद हुआ था व लोगों ने कहा था कि भगवान की रथयात्रा में विज्ञापनों का क्या काम। उस समय पोस्टर भी हटवाए गए थे। विमोचन समारोह के अवसर पर धर्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश मकवाना ने बताया कि रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे और नगर की सड़कों से गुजरती यह शोभायात्रा भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर करेगी। उन्होंने कहा कि आयोजन की सभी तैयारियों को सुव्यवस्थित, अनुशासित और भव्य रूप देने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि यह धार्मिक उत्सव पूरी गरिमा के साथ संपन्न हो। नगर निगम के पूर्व उपमहापौर पारस सिंघवी, धर्मोत्सव समिति के घनश्याम चावला, रथ समिति के राजेन्द्र श्रीमाली, पुजारी परिषद से गजेंद्र पुजारी और विनोद पुजारी, तथा ओल्ड सिटी वेलफेयर कमेटी के अक्षय सिंह राव और प्रदीप सेन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने रथ यात्रा को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता और सेवा की भावना से जुड़ने की अपील की। आयोजकों ने बताया कि इस वर्ष यात्रा को और अधिक सुरक्षित, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उदयपुर की यह रथ यात्रा वर्षों से धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक एकता का प्रतीक रही है। शहर भर में आयोजन को लेकर उल्लास का माहौल है और मंदिरों से लेकर गलियों तक तैयारियां जोरों पर हैं।

13 करोड़ साइबर ठगी में एक और गिरफ्तारी, हवाला के जरिए दुबई भेजे जाते थे पैसे, बांसवाड़ा का ज्वेलरी व्यापारी पकड़ा गया

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, बांसवाड़ा। साइबर थाना पुलिस ने 13 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए शहर के बाहुबली कॉलोनी निवासी ज्वेलरी व्यापारी अविनाश जैन को गिरफ्तार किया है। अविनाश पर आरोप है कि वह ठगी से प्राप्त नकदी को हवाला के जरिए दुबई निवासी प्रेम दोसी तक पहुंचाता था। इससे पहले इस मामले में मुख्य आरोपी अमन को गिरफ्तार किया गया था, जो वर्तमान में रिमांड पर है। पूछताछ में अमन ने अविनाश का नाम उजागर किया, जिसके बाद साइबर पुलिस ने अविनाश को पकड़ा। पुलिस जांच में सामने आया कि अविनाश की शहर में एक गहनों की दुकान है और वही ठगी के पैसे की निकासी और हवाला के जरिए विदेश भेजने का जिम्मा संभालता था।

ऐसे हो रहा था पूरा फर्जीवाड़ाः अमन विभिन्न निष्क्रिय बैंक खातों में साइबर ठगी के पैसे डलवाता था। खाते में पैसा आते ही अविनाश अपनी दुकान के दो कर्मचारियों को बैंक भेजता, जहां पूर्व बैंककर्मी दिव्यांशु सोलंकी और उपशाखा प्रबंधक मेगनेश जैन की मदद से कैश विड्रॉ करवा लिया जाता। अविनाश ने स्वीकार किया है कि कैश मिलने के बाद प्रेम दोसी का इंटरनेशनल कॉल आता था और फिर उसके आदमी रुपए लेने दुकान पर पहुंचते थे।

डिजिटल करेंसी के जरिए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन

अमन, बाइनेंसऐप के जरिए दुबई में प्रेम दोसी से डिजिटल करेंसी मंगवाता और फिर ऐप के माध्यम से इसे सेल कर देता था। पुलिस को संदेह है कि इस डिजिटल करेंसी को साइबर ठग खरीदते थे और यह पैसा फर्जी खातों में जमा करवाकर भारत में विड्रॉ किया जाता। फिर यह रकम हवाला से दुबई पहुंचाई जाती थी।

पुलिस को क्या संदेहः

इस पूरे नेटवर्क में डिजिटल करेंसी का प्रयोग कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन हो रहा था, जिससे पुलिस की पकड़ से बचा जा सके। यह भी आशंका है कि अमन को इन लेन-देन पर कमीशन मिलती थी। चूंकि भारत में क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग प्रतिबंधित है, इसलिए इसे अवैध तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा था। अब साइबर पुलिस ऐप कंपनी से अमन के खाते से जुड़े सभी ट्रांजैक्शन की जानकारी जुटा रही है कि किन-किन लोगों ने उससे डिजिटल करेंसी खरीदी। थाना प्रभारी सीआई देवीलाल मीणा ने बताया कि अविनाश और अमन दोनों से गहन पूछताछ जारी है। यह अंतरराष्ट्रीय गिरोह कितना फैला हुआ है और इसके तार देश-विदेश में कहां-कहां जुड़े हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

झाड़-फूंक की आड़ में एक साल की मासूम को दागा गर्म सरिए से, बिगड़ी तबीयत पर पहुंची अस्पताल

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, भीलवाड़ा। अंधविश्वास के दंश ने एक साल की मासूम बच्ची को दर्द और तकलीफ के दलदल में धकेल दिया। सांप के फूंकने जैसी बात पर परिजनों ने बच्ची को अस्पताल की जगह झाड़-फूंक और देसी इलाज की राह दिखाई। इलाज के नाम पर गर्म सरिए से दागने की क्रूरता उस मासूम के नन्हे शरीर को झेलनी पड़ी, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। घटना शाहपुरा तहसील के बड़ेसर गांव की है, जहां खुशी नाम की एक वर्षीय बच्ची को उसकी दादी इलाज के बहाने एक देव स्थान पर ले गई। दावा किया गया कि बच्ची को सांप ने फूंकार मारी थी, जिसे 'तांत्रिक प्रक्रिया' से ठीक करना जरूरी था। वहां झाड़-फूंक के साथ बच्ची को गर्म लोहे की छड़ से दाग दिया गया। समय बीतता गया लेकिन बच्ची की तबीयत सुधरने की बजाय और बिगड़ती चली गई। अंततः जब हालत नाजुक हो गई, तो सोमवार 2 जून को परिजन उसे भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने तुरंत उसे पीआईसीयू वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू किया। खुशी के शरीर पर गर्म सरिए से दागे जाने के कई निशान हैं, जो अंधविश्वास की भयानक कीमत बयां कर रहे हैं। सौभाग्यवश अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पॉर्न और अपराध फिल्मों की लत में फंसे 17 वर्षीय किशोर ने बेरहमी से ले ली जान, पहचान जाने पर चाकू से गोदा

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, प्रतापगढ़। छोटीसादड़ी कस्बे में 15 दिन पहले हुई 55 वर्षीय विधवा गुड्डी बाई माली की नृशंस हत्या का राज पुलिस ने मंगलवार को सुलझा लिया। यह वारदात किसी शातिर अपराधी ने नहीं, बल्कि महज 17 साल के एक नाबालिग किशोर ने की थी, जिसने पॉर्न वीडियो और अपराध कथाओं के नशे में मानसिक उत्तेजना के चलते महिला को मौत के घाट उतार दिया। इस खुलासे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया।

हत्या की रात क्या हुआ?

19 मई की रात किशोर ने अपने मोबाइल पर पॉर्न फिल्म देखी। मानसिक उत्तेजना इतनी बढ़ गई कि वह पड़ोस में अकेली रह रही गुड्डी बाई के घर में चाकू लेकर घुस गया। महिला गहरी नींद में थी। आरोपी ने उनके कपड़े उतारने की कोशिश की, तभी महिला जाग गई और बोली, "मैं तुझे पहचान गई हूं।" यह सुनते ही किशोर ने बौखलाहट में गला रेत दिया और बार-बार चाकू से वार करता रहा। महिला ने संघर्ष किया, लेकिन वह जान नहीं बचा सकी। हत्या के बाद किशोर ने गुड्डी बाई के दो मोबाइल फोन चुराए, सिम निकालकर खंडहर में फेंक दिए। खून से सना चाकू और अपने कपड़े घर में छुपा दिए और खुद नहा-धोकर ऐसे सो गया मानो कुछ हुआ ही नहीं। यहां तक कि वह महिला की हत्या के विरोध में निकले प्रदर्शन में भी शामिल हुआ।

कैसे हुआ खुलासा?

एसपी विनीत बंसल, डीएसपी गोपाल हिण्डोनिया और थानाधिकारी प्रवीण टांक की टीम ने 150 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, साइबर एनालिसिस किया और डोर-टू-डोर सर्वे किया। एक किशोर पर शक तब गहराया जब सामने आया कि वह अकसर देर रात तक मोबाइल चलाता था और घटना की रात भी 1 बजे तक बाहर था। पूछताछ में पहले गोलमोल जवाब दिए, फिर हाथ पर मौजूद चाकू के घाव, ब्लड सैंपल मिलान और डिजिटल सबूतों के सामने टूट गया। आरोपी का पूर्व रिकॉर्ड भी संदिग्ध दो साल पहले किशोर ने मोबाइल पर अपहरण की कहानी देखकर खुद को गायब कर लिया था और कहा था कि दो अजनबी उसे उठाकर ले गए थे। बाद में यह कहानी झूठी निकली। किशोर पहले से ही पॉर्न, क्राइम थ्रिलर और हिंसक कंटेंट का आदी था।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, प्रभारी मंत्री गुरूवार को दूध तलाई से करेंगे शुभारंभ

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर, 4 जून। जल संचय और पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 5 जून को पर्यावरण दिवस व गंगा दशमी के अवसर पर प्रदेशव्यापी वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का आगाज होगा। उदयपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम दूध तलाई में होगा। इसमें प्रभारी मंत्री श्री हेमन्त मीणा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत 5 जून को सुबह 10 बजे नगर निगम, जल संसाधन विभाग व राजीविका के तत्वावधान में दूधतलाई पर साफ-सफाई, कलश यात्रा, जल पूजन तथा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान संकल्प के कार्यक्रम होंगे। 11.15 बजे माछला मगरा स्थित नगर वन उद्यान में वन विभाग के तत्वावधान में तुलसी व पीपल पौधा वितरण सहित विविध आयोजन होंगे। इससे पूर्व सुबह 6 बजे प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से शौर्यगढ़ में रन फॉर इन्वायरमेंट का आयोजन होगा। इसी क्रम में शाम 5 बजे प्रभारी मंत्री श्री मीणा नगर निगम बोर्ड बैठक सभागार में प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे। टाउन हॉल परिसर में ही 5.30 बजे आमुखीकरण कार्यशाला होगी। वहीं शाम 6 से 7 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। इसमें जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। शाम 7 बजे गणगौर घाट पर दीप प्रज्वलन एवं महाआरती होगी।

इतिहास रचेगा 6 जूनः पीएम मोदी करेंगे दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल 'चेनाब ब्रिज' का उद्घाटन

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 6 जून को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे, जहां वे देश की सबसे चुनौतीपूर्ण और आधुनिकतम आधारभूत संरचना परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इस दौरे में वे रेल, सड़क और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।
विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे पुल - चेनाब ब्रिज अब देश को समर्पित प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में बने चेनाब रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे, जो समुद्र तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और इसे दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज माना जा रहा है। यह 1,315 मीटर लंबा स्टील स्ट्रक्चर है, जिसे अत्यधिक भूकंपीय और पवन परिस्थितियों को झेलने की क्षमता के साथ तैयार किया गया है। यह ब्रिज जम्मू से श्रीनगर तक के रेल सफर को न केवल सुगम बनाएगा, बल्कि कटरा से श्रीनगर की यात्रा को मात्र तीन घंटे में संभव कर देगा।

देश का पहला केबल-स्टेड रेल ब्रिज - अंजी ब्रिज भी अब यात्रा के लिए तैयार

प्रधानमंत्री इसके बाद अंजी पुल का उद्घाटन करेंगे, जिसे भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज होने का गौरव प्राप्त है। दुर्गम पहाड़ियों और गहरी खाइयों के बीच निर्मित यह पुल आधुनिक इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

USBRL परियोजना से पूरी कश्मीर घाटी को मिलेगा रेलवे नेटवर्क से स्थायी जुड़ाव

प्रधानमंत्री उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक (USBRL) परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसकी कुल लंबाई 272 किलोमीटर है। लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में 36 सुरंगें और 943 पुल शामिल हैं, जो इसे देश की सबसे जटिल रेल परियोजनाओं में से एक बनाते हैं। इस नेटवर्क से घाटी को हर मौसम में देश के शेष भागों से जोड़ा जा सकेगा।

दो वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी, तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को होगा लाभ

प्रधानमंत्री श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर और वापसी मार्ग पर चलने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इन ट्रेनों से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को तेज़, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

सड़कों और फ्लाईओवर से सीमा क्षेत्रों में बेहतर संपर्क

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-701 पर रफियाबाद से कुपवाड़ा तक सड़क चौड़ीकरण और एनएच-444 पर शोपियां बाईपास निर्माण जैसी परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिनकी अनुमानित लागत 1,952 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही, श्रीनगर में बेमिना और संग्राम जंक्शनों पर दो प्रमुख फ्लाईओवरों का उद्घाटन होगा, जिससे यातायात प्रवाह में सुधार और जाम की समस्या में कमी आएगी।
स्वास्थ्य सेवा में नया आयामः कटरा में मेडिकल कॉलेज की आधारशिला प्रधानमंत्री अपने दौरे में श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की भी आधारशिला रखेंगे। 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाला यह संस्थान रियासी जिले का पहला मेडिकल कॉलेज होगा और पूरे जम्मू क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को नई ऊंचाई देगा।

रेलवे टिकटिंग में डिजिटल क्रांतिः एक मिनट में रिकॉर्ड 31,814 टिकट बुकिंग

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने टिकटिंग व्यवस्था में तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता को नया आयाम देते हुए डिजिटल क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। 22 मई 2025 को रेलवे ने एक मिनट में अब तक की सर्वाधिक 31,814 टिकट बुकिंग का रिकॉर्ड कायम किया। यह मील का पत्थर भारतीय रेलवे की उन्नत तकनीकी क्षमताओं और ग्राहक-केंद्रित नवाचारों को दर्शाता है। रेलवे की इस डिजिटल छलांग के केंद्र में है एक परिष्कृत एंटी-बीओटी प्रणाली, जो बुकिंग पोर्टल पर अनधिकृत सॉफ्टवेयर (बीओटी्स) को रोककर वास्तविक यात्रियों को त्वरित और निष्पक्ष टिकटिंग सुविधा देती है। आईआरसीटीसी ने एक अग्रणी कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (CDN) सेवा प्रदाता से समझौता कर वेबसाइट की गति, सुरक्षा और स्थिरता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है।
फर्जी आईडी पर लगाम, पारदर्शिता को प्राथमिकता रेलवे ने टिकट बुकिंग में अनधिकृत दखल को रोकने के लिए अब तक 2.5 करोड़ से अधिक संदिग्ध उपयोगकर्ता आईडी निष्क्रिय कर दी हैं। यह कदम आम यात्रियों को बेहतर और निष्पक्ष सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में अहम माना जा रहा है।
अब आधार से सत्यापित उपयोगकर्ता बिना किसी देरी के तत्काल, प्रीमियम तत्काल और ओपनिंग एआरपी टिकट बुक कर सकते हैं, जबकि गैर-आधार सत्यापित उपयोगकर्ता को पंजीकरण के 3 दिन बाद ही यह सुविधा मिलेगी। इससे टिकट दलालों की भूमिका सीमित होगी और ईमानदार यात्रियों को प्राथमिकता मिलेगी।
उपयोगकर्ताओं की संख्या और टिकटिंग में भारी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में औसत दैनिक लॉगिन 82.57 लाख दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19.53% अधिक हैं। वहीं दैनिक टिकट बुकिंग में 11.85% की वृद्धि हुई है। कुल आरक्षित टिकटों में से 86.38% अब ई-टिकटिंग के माध्यम से बुक किए जा रहे हैं, जो डिजिटल इंडिया की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

नवाचार और सुरक्षा के संयुक्त कदम

वेबसाइट की 87% स्थिर सामग्री अब CDN के माध्यम से तेजी से लोड होती है।
AI आधारित ट्रैफिक विश्लेषण प्रणाली BOT गतिविधियों का सटीक पहचान करती है।
साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से फर्जी उपयोगकर्ताओं और शिकायतों की जांच का तंत्र सशक्त हुआ है।
रेल मंत्रालय के अनुसार, यह डिजिटल कायापलट सिर्फ तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि यात्रियों को अधिक समान अवसर, तेज सेवा और सुरक्षित बुकिंग अनुभव देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

पति को प्रेमी संग देख गुस्साए, पत्नी और प्रेमी ने मिलकर की हत्याः फंदे पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश, समाज के दबाव में खुला सच

नरसाराम (पति) माफी (पत्नी) सांवलराम (बॉयफ्रेंड)

24 न्यूज अपडेट

जालोर | राजस्थान के जालोर जिले के बागोड़ा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की नृशंस हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को रस्सी से लटका दिया गया, लेकिन सिर और शरीर पर चोटों के निशान तथा समाजजनों की पूछताछ के बाद सच सामने आ गया। मृतक नरसाराम के भाई की शिकायत पर पुलिस ने पत्नी माफी देवी और उसके प्रेमी सांवलाराम के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।
हत्या की रातः प्रेमी के साथ रंगे हाथ पकड़े जाने पर मारा गया नरसाराम मृतक के छोटे भाई दूदाराम ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 25 मई की रात उसकी भाभी माफी देवी बदहवासी की हालत में उसके पास आई और कहा कि उनके भाई नरसाराम ने कमरे में फांसी लगा ली है। वह जब मौके पर पहुंचे तो नरसाराम का शव फंदे से लटका मिला और सिर के पीछे से खून बह रहा था। पहले तो इसे आत्महत्या माना गया और समाज की रीतियों के अनुसार शव को दफना दिया गया। लेकिन शक तब गहरा हुआ जब शव पर गहरी चोटों के निशान दिखाई दिए। पूछने पर माफी बार-बार यही कहती रही कि उसने पति को फंदे से लटकते हुए देखा था। लेकिन 28 मई को पंचों की सख्त पूछताछ में माफी टूट गई और जुर्म कबूल कर लिया।
कैसे रची गई हत्या की साजिशः प्रेमी के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम माफी देवी ने स्वीकार किया कि उसके पिछले 5-6 वर्षों से सांवलाराम नामक युवक से अवैध संबंध थे। 25 मई की रात को सांवलाराम उससे मिलने आया था। इसी दौरान पति नरसाराम ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इस पर कहासुनी हुई और सांवला राम ने लाठी से नरसाराम के सिर पर वार किया, जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद बेहोशी की हालत में उसे ज़हर पिलाया गया और फंदे से लटका दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या जैसा लगे। जाते समय सांवलाराम ने माफी को धमकाया कि यदि किसी को बताया तो जान से मार देगा।

पोस्टमॉर्टम के लिए शव बाहर निकाला जाएगा

बागोड़ा थानाधिकारी हुकमाराम के अनुसार, अब जिला कलेक्टर और एसपी के निर्देशों पर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दफनाए गए शव को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी। मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा, जिससे हत्या की पुष्टि कानूनी रूप से हो सके।
परिवार और समाज सदमे में, मासूम बेटियों का क्या होगा? मृतक नरसाराम की करीब 6 साल पहले माफी देवी से शादी हुई थी। उनके दो बेटियां हैं — एक चार साल की और दूसरी डेढ़ साल की। इस त्रासदी से न केवल परिवार बल्कि पूरा गांव स्तब्ध है। मासूम बच्चियों के भविष्य को लेकर परिजन और समाजजन चिंता में हैं।

झुंझुनू पुलिस की बड़ी कार्रवाई : संजय नगर में रात के समय घर में घुसकर मारपीट कर हत्या की वारदात का किया खुलासा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 04 जून। झुंझुनू पुलिस ने ढाणी कूचाला तन संजयनगर में हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी थाना खेतड़ी के हिस्ट्रीशीटर सचिन उर्फ बच्चिया पुत्र जगदीश प्रसाद (25) निवासी ढाणी ढहरवाला थाना खेतड़ी सहित उसके दो साथियों आकाश कुमार यादव पुत्र दलीप कुमार (19) निवासी नाथा की नांगल थाना डाबला जिला सीकर एवं आकाश सिंह निर्वाण पुत्र लक्ष्मण सिंह (20) निवासी टोली की ढाणी तन रामकुमारपुरा थाना खेतड़ी झुन्झनू को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के 10 अपराधिक प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज है।
घर में घुसकर की थी मारपीट, युवती की हुई मौत यह घटना 30-31 मई 2025 की आधी रात को हुई थी। संजय नगर निवासी लक्ष्मी देवी ने अस्पताल में पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनके बेटे मोहित सिंह की घर के पास सब्जी की दुकान है। वे परिवार सहित घर में सो रहे थे, तभी रात करीब 12:30 बजे उनके पड़ोसी सचिन उर्फ बच्चिया अपने कुछ साथियों रवि, आकाश, नीरज और दो अन्य के साथ मिलकर उनके घर में घुस गया। आरोपियों ने आते ही परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। लक्ष्मी देवी का पति लीला सिंह जो मकान की छत पर सो रहा था, शोर सुनकर नीचे भागा। उसे आता देख हमलावर वहां से भाग गए। इस मारपीट में लक्ष्मी देवी, उनकी बेटी अंजु कंवर और बेटे मोहित सिंह को गंभीर चोटें आई थी।
हत्या की धारा जुड़ी, तीन आरोपी गिरफ्तार घटना की सूचना मिलते ही खेतड़ी पुलिस तुरंत हरकत में आई। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया और एफएसएल टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसी बीच 31 मई 2025 को मारपीट में घायल अंजु कंवर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धारा भी जोड़ दी। मृतका अंजु कंवर का पोस्टमार्टम जयपुर के चौमूं स्थित राजकीय उप जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड द्वारा करवाया गया।
इस जघन्य वारदात के बाद झुंझुनू पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थानाधिकारी रणजीत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गईं। जिला स्पेशल टीम और थाना खेतड़ी की टीमों ने मिलकर नामजद आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्य का सहारा लिया।
कठिन प्रयासों के बाद पुलिस को सफलता मिली। मुख्य आरोपी सचिन उर्फ बच्चिया जाट को जयपुर शहर से तथा उसके दो साथियों आकाश कुमार यादव और आकाश सिंह निर्वाण को सीकर जिले के नाथा की नांगल से गिरफ्तार किया गया।
पुलिस की त्वरित कार्रवाई - पुलिस का कहना है कि अन्य फरार साथी आरोपियों और घटना में प्रयुक्त वाहनों के संबंध में गहनता से अनुसंधान जारी है। इस कार्यवाही से झुंझुनू पुलिस ने यह साफ कर दिया है कि अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई में एसएचओ खेतड़ी रणजीत सिंह एवं एजीटीएफ प्रभारी हेड कांस्टेबल शशिकांत व कांस्टेबल राजवीर की विशेष भूमिका रही।
इस पूरे ऑपरेशन में थाना खेतड़ी से थानाधिकारी रणजीत सिंह के अलावा एसआई कैलाश चंद, एएसआई विनोद कुमार, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, बोदुराम, बनवारीलाल, कांस्टेबल ख्यालीराम, रामावतार, सुभाष, महेश और अनिल वहीं, एजीटीएफ टीम झुंझुनू कैंप चिड़ावा से हैड कांस्टेबल शशीकांत (प्रभारी), कांस्टेबल संदीप, पंकज, हरिश, राजवीर, अमित और सुरेश शामिल थे।

झुंझुनू में आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ः 10 लाख कैश, 29 मोबाइल फोन जब्त, करोड़ों का हिसाब मिला

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 04 जून। देशभर में क्रिकेट के बुखार के बीच, इंडियन प्रीमियर लीग मैचों पर चलने वाले बड़े सट्टेबाजी रैकेट का झुंझुनू पुलिस ने पर्दाफाश किया है। झुंझुनू पुलिस की एजीटीएफ और कोतवाली थाना पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए तीन प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 10,40,350 नकद राशि, 29 मोबाइल फोन सहित सट्टेबाजी में प्रयुक्त होने वाली भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस को आरोपियों से लगभग 3 करोड़ रुपये के सट्टे का हिसाब-किताब भी मिला है, जो इस रैकेट के बड़े पैमाने पर फैले होने का संकेत देता है।
ऐसे हुआ खुलासाः यह बड़ी कार्रवाई झुंझुनू के कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत के निर्देशानुसार और वृताधिकारी शहर वीरेंद्र कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। मंगलवार, 3 जून की रात को गश्त पर निकले थाना कोतवाली के एसआई प्यारेलाल को एजीटीएफ प्रभारी विक्रम सिंह से पुख्ता सूचना मिली। सूचना के अनुसार, वसुंधरा नगर स्थित अनिल श्योराण के एक मकान में कुछ लोग पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच चल रहे क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगा रहे थे।
सूचना की गंभीरता को समझते हुए एसआई प्यारेलाल अपनी टीम के साथ एजीटीएफ और क्यूआरटी की टीमों को लेकर तुरंत बताए गए मकान पर पहुंचे। मकान की दूसरी मंजिल से क्रिकेट मैच की कमेंट्री और टीवी की आवाजें सुनाई दे रही थी। जब पुलिस टीम ने छापा मारा, तो उन्हें तीन व्यक्ति लैपटॉप, रजिस्टर और कई मोबाइल फोन के साथ सट्टेबाजी करते हुए रंगे हाथों मिले। एक मोबाइल फोन से स्पीकर जुड़ा हुआ था, जिससे सट्टे के भाव बताए जा रहे थे। पुलिस को देखते ही तीनों हड़बड़ा गए और पूछताछ करने पर उन्होंने क्रिकेट सट्टा लगाने की बात कबूल की।
करोड़ों का खेल और डिजिटल नेटवर्कः गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनिल कुमार जाट पुत्र अमरचंद (33) निवासी डाबली की ढाणी, जिला चूरू, जितेंद्र जाट पुत्र रामचन्द्र (33) निवासी बिबासर, झुंझुनू और इंतजार अली पुत्र एजाज अली (34) निवासी क्यामसर, झुंझुनू के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक लैपटॉप, चार्जर, कुल 29 मोबाइल, दो कैलकुलेटर, दो एलईडी टीवी, एक स्पीकर मय चार्जर, एक वाईफाई राउटर, दस लाइनदार रजिस्टर, पांच डायरी, एक पेन, एक बिजली का बोर्ड और आठ मोबाइल चार्जर बरामद किए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने किया खुलासा

वे ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा लगाने के लिए 'जूम ऐप' का उपयोग करते थे और यह ऐप वाईफाई राउटर के माध्यम से संचालित होता था, जिसमें सिम कार्ड की आवश्यकता नहीं होती थी। यह मोडस ऑपरेंडी सटोरियों द्वारा पकड़े जाने से बचने और अपनी गतिविधियों को छिपाने के लिए इस्तेमाल की जा रही थी। जब्त किए गए दस्तावेजों और उपकरणों से पुलिस को लगभग 3 करोड़ रुपये के सट्टे के लेन-देन का हिसाब मिला है, जो इस रैकेट की व्यापकता को दर्शाता है।
आपराधिक इतिहास - पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी अनिल कुमार के खिलाफ वर्ष 2015 में भी हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है, जबकि जितेंद्र के खिलाफ वर्ष 2014 में जयपुर में मारपीट और छेड़छाड़ का मामला दर्ज है। इंतजार अली का फिलहाल कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है.
इस सफल ऑपरेशन में थाना कोतवाली से थानाधिकारी हरजिंदर सिंह, एसआई प्यारे लाल, कांस्टेबल महेंद्र, पवन व ओमपाल, एजीटीएफ से हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह, कांस्टेबल सुरेंद्र, अंकित, विक्रम और क्यूआरटी से कांस्टेबल नेमीचंद, ओम प्रकाश, रतन लाल व कानजी मीना शामिल थे। एजीटीएफ के कांस्टेबल सुरेंद्र में विक्रम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
झुंझुनू पुलिस की यह कार्यवाही ऑनलाइन सट्टेबाजी के बढ़ते खतरे के खिलाफ एक बड़ी जीत है और यह संदेश देती है कि ऐसे अवैध धंधों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अब इस रैकेट के अन्य सदस्यों और इसके पीछे के बड़े सिंडिकेट का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही है।

21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा संसद का मानसून सत्र, जस्टिस वर्मा पर महाभियोग प्रस्ताव की भी तैयारी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित होगा। इस बात की घोषणा बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने की। उन्होंने कहा कि सरकार नियमों के तहत किसी भी विषय पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है।इस सत्र के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी चर्चा में आ सकता है — इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव। रिजिजू ने कहा कि यह प्रस्ताव न्यायपालिका में पारदर्शिता और शुचिता बनाए रखने के दृष्टिकोण से अत्यंत अहम है। रिजिजू ने कहा कि अगर विपक्ष नियमों के अनुरूप चर्चा की मांग करता है तो पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसे संवेदनशील विषयों पर भी सरकार खुली चर्चा के लिए तैयार है। गौरतलब है कि विपक्ष ने इन मुद्दों के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता बयान पर भी चर्चा की मांग की थी। विपक्षी INDIA गठबंधन के 17 दलों ने 3 जून को नई दिल्ली में बैठक कर प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजा, जिसमें संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई थी।

महाभियोग प्रस्ताव पर रिजिजू का बयान-"राजनीति नहीं, एकता जरूरी"

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव को लेकर रिजिजू ने स्पष्ट किया कि यह मामला न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है, न कि किसी राजनीतिक उद्देश्य से। उन्होंने कहा, "यह ऐसा विषय है जिस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी दलों को एकजुट होकर संसद में इस पर विमर्श करना चाहिए।" रिजिजू ने यह भी बताया कि वे इस मामले पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से संवाद कर रहे हैं, ताकि प्रस्ताव पर आम सहमति बन सके।
TMC का पलटवार — "सरकार को संसद से डर लगता है" सत्र की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संसद से भाग रही है और उन्होंने इसे "Parliamentophobia" की संज्ञा दी। ओ'ब्रायन ने आरोप लगाया कि सरकार संसद की खुली बहस और जवाबदेही से बचना चाहती है।

कन्हैयालाल हत्याकांड पर अशोक गहलोत बोले-6 महीने से केस में कोई तारीख ही नहीं पड़ी

Ashok Gehlot
@ashokgehlot51

उदयपुर के श्री कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भाजपा ने जमकर राजनीति की एवं राजस्थान के चुनाव का मुख्य मुद्दा इसे बना दिया।

घटना की रात को ही ये केस NIA ने ले लिया। भाजपा की केन्द्र सरकार के अधीन आने वाली एजेंसी NIA के पास ये केस है परन्तु तीन साल केस चलने के बाद भी आजतक इस स्पष्ट प्रकृति के मामले में दोषियों को सजा नहीं हो सकी है।

श्री कन्हैयालाल के परिजनों ने बताया है कि इस केस को फास्ट ट्रैक नहीं चलाया जा रहा है। यह केस NIA कोर्ट जयपुर में विचाराधीन है। NIA कोर्ट का एडिशनल चार्ज CBI कोर्ट के न्यायाधीश के पास था जिनका तबादला हो गया है जिससे केस की सुनवाई नहीं हो पा रही। विगत छह महीने से केस में कोई तारीख नहीं पड़ी है।

इससे पहले गवाहों के बयान ही चल रहे थे परन्तु तीन मुख्य गवाहों के बयान अभी तक दर्ज नहीं किए गए।

इस केस में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से अभी तक दो की जमानत हो चुकी है।

इस महीने श्री कन्हैयालाल हत्याकांड को तीन वर्ष पूरे हो जाएंगे। राजस्थान पुलिस ने अपराधियों को मात्र 4 घंटे में गिरफ्तार कर लिया था। श्री कन्हैलाल के परिजनों को 50 लाख रु मुआवजा एवं उनके दोनों पुत्रों को सरकारी नोकरी दी गई। परन्तु भाजपा ने जनता में अफवाह फैलाई कि केवल 5 लाख रु मुआवजा दिया और पांच लाख, पचास लाख की राजनीति की।

यदि NIA ये केस नहीं लेती एवं राजस्थान पुलिस के पास ये केस रहता तो संभवतः हमारी सरकार के कार्यकाल में ही इनको सजा सुना दी जाती परन्तु लगता है भाजपा केवल इस केस पर राजनीति कर रही है। पीड़ितों को न्याय दिलाने का उनका इरादा नहीं लगता है।

Translate post

Last edited 2:39 PM · Jun 4, 2025 · 29.6K Views

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर में तीन साल पहले हुए कन्हैयालाल टेलर की निर्मम हत्या का मामला आज भी न्याय प्रक्रिया में ठप पड़ा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बात पर गहरा ऐतराज जताते हुए कहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए के पास केस होने के बावजूद पिछले छह महीने से सुनवाई तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि केस के तीन मुख्य गवाहों के बयान अभी तक दर्ज नहीं हुए हैं, जबकि राजस्थान पुलिस ने घटना के मात्र चार घंटे के भीतर मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। गहलोत का यह भी कहना है कि यदि यह मामला एनआईए के बजाय राजस्थान पुलिस के पास रहता, तो दोषियों को पहले ही सजा मिल चुकी होती। इसके बावजूद, भाजपा ने इस संवेदनशील मामले को चुनावी राजनीति का विषय बनाकर जनता में गलतफहमी और अफवाहें फैलाई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कन्हैयालाल के परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा और उनके दोनों पुत्रों को सरकारी नौकरी दी गई है, लेकिन भाजपा ने इस तथ्य को छुपाकर केवल 5 लाख रुपए मुआवजे की राजनीति की है। एनआईए की विशेष अदालत में यह मामला हत्या, आतंकवादी गतिविधियों, गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (UAPA), आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं के तहत चल रहा है, जिसमें दो आरोपियों को जमानत मिल चुकी है और दो पाकिस्तानी संदिग्ध फरार बताए गए हैं। इसके अलावा, न्यायाधीश के तबादले के कारण कोर्ट में सुनवाई बाधित हो गई है, जिससे पीड़ित परिवार न्याय के लिए लंबी प्रतीक्षा में है। इस पूरे मामले ने न केवल न्यायिक प्रक्रिया की गति पर सवाल उठाए हैं, बल्कि राजनीतिक दलों के बीच विवाद भी इस घटना को और जटिल बना रहा है। इस स्थिति में पीड़ित परिवार की उम्मीदें टूट रही हैं और न्याय मिलने की प्रक्रिया धुंधली होती जा रही है, जो एक संवेदनशील मामले में न्याय की अनिवार्यता को चुनौती देता है।

2024-25 में सज्जनगढ़ अभयारण्य में 5 लाख से अधिक पर्यटक आए जिससे 11 करोड की आय, बायो पार्क में 2 लाख 59 हज़ार पर्यटक आए, 68 लाख रुपए से अधिक की हुई आय

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी की अध्यक्षता में बुधवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय सभागार में जन्तुआलय विकास ट्रस्ट की साधारण सभा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में संभागीय आयुक्त ने वन्यजीव अभ्यारण्य, सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क आदि में तकनीक का उपयोग करते हुए पर्यटकों को बेहतरीन अनुभव मुहैया करवाने के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि अभ्यारण्य और बायोलॉजिकल पार्क में विदेशी पर्यटकों हेतु भी सहूलियत अनुसार सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। वहीं लॉयन सफारी को भी शीघ्र प्रारंभ करवाने की बात कही। बैठक में बागदडा क्रोकोडाइल कंजर्वेशन रिजर्व के एक किलोमीटर परिधि में हो रही व्यावसायिक एवं औद्योगिक गतिविधियों से आसपास के पर्यावरण पर हो रहे प्रतिकूल प्रभावों के चलते इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजने की भी चर्चा हुई तथा ट्रस्ट को गत वर्ष हुई आय एवं व्यय के ब्यौरे का अनुमोदन भी हुआ। जिला कलेक्टर ने कहा, मुख्य मार्गों पर लगाए साइनेज बोर्ड साधारण सभा में चर्चा के दौरान जिला कलेक्टर नमित मेहता ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा हेतु तथा उदयपुर के वन्यजीवों से जुड़े पर्यटन स्थलों पर ज्यादा से ज्यादा पर्यटक पहुंचे इसके लिए सभी प्रमुख मार्गों पर साइनेज बोर्ड लगाए जाएं ताकि वन्य जीव प्रेमियों एवं पर्यटकों को इन स्थानों के बारे में जानकारी मिल सके तथा वे इन स्थानों पर पर्यटन हेतु पहुंच सके, साथ ही विभिन्न स्थानों पर ब्रोशर एवं पेम्पलेट भी पर्यटकों को उपलब्ध हो जिसमें शहर के विभिन्न पर्यटन स्थलों से संबंधित समस्त सामान्य जानकारी उल्लेखित हो। वर्ष 2024-25 में सज्जनगढ़ वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में 5 लाख से अधिक पर्यटक आए 11 करोड़ की हुई आय, वर्ष 2025-26 हेतु 2 करोड़ 85 लाख के कार्यों का हुआ अनुमोदन बैठक के दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सज्जनगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य में 5 लाख से अधिक पर्यटक आए जिससे ट्रस्ट को 11 करोड रुपए की आय हुई, इसी प्रकार बायो पार्क में 2 लाख 59 हज़ार पर्यटक आए जिससे 68 लाख रुपए से अधिक की आय हुई। वहीं बैठक में वर्ष 2025-26 में करवाए जाने वाले 2 करोड़ 85 लाख रुपयों की लागत के 27 कार्यों का भी अनुमोदन हुआ जिसमें प्रमुख रूप से सज्जनगढ़ वन्य जीव अभ्यारण्य के 50 हेक्टेयर क्षेत्र से लेंटाना घास उन्मूलन हेतु 18 लाख रुपए, पूर्व निर्मित पेट्रोलिंग ट्रैक एवं एक ट्रेन की मरम्मत हेतु 3 लाख रुपये, अभ्यारण्य के मेन गेट से हवाला की ओर जाने वाले रास्ते की दीवार तथा पार्किंग एरिया की दीवार की ऊंचाई बढ़ाने हेतु 35 लाख रुपए, अभयारण्य के मंडल कार्यालय, रेंज कार्यालय के संधारण एवं आधारभूत सुविधाओं के लिए 15 लाख रुपए, लायन सफारी के शेष रहे कार्यों को पूर्ण करवाने हेतु 53 लाख रुपये आदि शामिल है। बैठक में मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव एस आर यादव, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त सीआर देवासी, उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना, उपवन संरक्षक वन्यजीव यादवेंद्र सिंह चूंडावत सहित ट्रस्ट के सदस्यगण मौजूद रहे

पाकिस्तान के लिए जासूसी करता था राजस्थान का सरकारी कर्मचारीः कांग्रेस नेता का पूर्व पीए शकूर खान गिरफ्तार, ISI से संपर्क और 7 बार पाक यात्रा का खुलासा

24 न्यूज़ अपडेट

जयपुर | राजस्थान के जैसलमेर जिले से एक चौंकाने वाला जासूसी प्रकरण सामने आया है। राजस्थान इंटेलिजेंस की कार्रवाई में पकड़ा गया सरकारी कर्मचारी शकूर खान पिछले 15 वर्षों में सात बार पाकिस्तान की यात्रा कर चुका था और लगभग 60 दिनों तक वहां रह चुका है। सूत्रों के अनुसार, वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से सीधे संपर्क में था और वॉट्सऐप के माध्यम से संवेदनशील जानकारियाँ, लोकेशन और नाम भेजता था।

मोबाइल से पुष्टि, पाकिस्तान हाई कमीशन के अधिकारियों से चैटिंग

राजस्थान इंटेलिजेंस को शकूर के मोबाइल से कई पाकिस्तान एम्बेसी अधिकारियों के नंबर, वॉट्सऐप चैट्स और संदिग्ध सामग्री प्राप्त हुई है। एजेंसियों का दावा है कि शकूर ISI से जुड़े कई लोगों के साथ निरंतर संपर्क में था। वॉट्सऐप पर कुछ संदेशों में भारतीय स्थलों की लाइव लोकेशन, सरकारी गतिविधियों से जुड़े नाम और संवेदनशील सूचनाएं भेजी गई थीं। ISI एजेंट दानिश से संपर्क में था शकूर जांच में यह भी सामने आया कि शकूर भारत में पाकिस्तान हाई कमीशन के अफसर रहे एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में था। उल्लेखनीय है कि हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा भी इसी दानिश के संपर्क में पाई गई थी। यह समानता एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गई है, जिससे स्पष्ट होता है कि एक सुनियोजित नेटवर्क भारत में सक्रिय है। 10 जून तक रिमांड, कई एजेंसियां पूछताछ में जुटी शकूर को 28 मई को डिटेन करने के बाद कोर्ट में पेश कर 10 जून तक की रिमांड पर लिया गया है। अब तक 5 से अधिक खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां शकूर से पूछताछ कर चुकी हैं। पूछताछ में उसके विदेशी संपर्क, वित्तीय लेन-देन और यात्रा इतिहास को खंगाला जा रहा है। संपत्तियां, बैंक खाते और पासपोर्ट की जांच शुरू एजेंसियों ने शकूर और उसके परिजनों के सभी बैंक खातों, पासपोर्ट डेटा और संपत्तियों की जांच शुरू कर दी है। जैसलमेर स्थित रोजगार कार्यालय से उसका सेवा रिकॉर्ड भी मंगवाया गया है। जानकारी मिली है कि वह वर्ष 2000 में चपरासी के पद पर नियुक्त हुआ था और बाद में प्रमोशन के जरिए AAO (Assistant Administrative Officer) बना। राजनीतिक संबंध भी जांच के दायरे में खास बात यह है कि शकूर 2008 से 2013 तक कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद का निजी सहायक (PA) रहा। उस समय सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे। अब यह जांच हो रही है कि शकूर को इस पद पर किसने और कैसे नियुक्त किया, और क्या इसी दौरान उसका नेटवर्क मजबूत हुआ।

विदेश यात्रा की अनुमति कैसे मिली? एजेंसियों के लिए बड़ा सवाल

एक चपरासी से AAO बनने वाले शकूर को 15 वर्षों में सात बार पाकिस्तान जाने की अनुमति किसने दी, यह एक बड़ा सवाल है। पासपोर्ट कार्यालय से इस संबंध में विशेष जानकारी मांगी गई है। साथ ही, उसकी हर विदेश यात्रा, छुट्टी आवेदन और रिपोर्टिंग अधिकारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में है।

पर्यावरण के लिए दौड़ा उदयपुरः रन फॉर इन्वायरमेंट और वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर में विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर बुधवार सुबह फतहसागर की पाल पर जिला पर्यावरण समिति के तत्वावधान में आयोजित "रन फॉर इन्वायरमेंट" मैराथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के साथ ही वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का भी औपचारिक शुभारंभ हुआ। उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलेक्टर नमित मेहता एवं एडीजे कुलदीप शर्मा ने मिलकर इस मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अलसुबह फतहसागर की पाल स्थित मोती मगरी मुख्य द्वार के सामने बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, खिलाड़ी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और आमजन एकत्रित हुए। मुख्य वन संरक्षक शैरूराम यादव और अन्य वन अधिकारी अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर और गमला भेंट कर स्वागत किया। सांसद डॉ. रावत ने जल और पर्यावरण के संरक्षण का महत्व बताते हुए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। संभागीय आयुक्त और अन्य अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को जल और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प दिलाए। मैराथन मोती मगरी से शुरू होकर देवाली छोर तक चली, जिसमें स्केटिंग करते हुए बच्चे और प्रशिक्षक नीरज बत्रा के नेतृत्व में लैंक्रोज टीम भी शामिल रही। इस आयोजन में जिला परिषद की सीईओ रिया डाबी, गिर्वा एसडीएम सोनिका कुमारी, प्रशिक्षु आईएएस सृष्टि डबास, जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल, जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज जैन, जलग्रहण अधीक्षण अभियंता अतुल जैन सहित कई विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एकात्म मानवदर्शन ही राष्ट्र निर्माण की मूल चेतना : प्रो. देवनानी

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर। पडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानवदर्शन के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उदयपुर में आयोजित दो दिवसीय हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ बुधवार को भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के सभागार में हुआ। यह आयोजन पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, भूपाल नोबल्स संस्थान एवं जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। समारोह का उद्घाटन करते हुए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि पंडित जी के दृष्टिकोण में राष्ट्र केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इकाई है। उन्होंने कहा कि राजनीति में आई गिरावट के लिए समाज का बदलता स्वरूप जिम्मेदार है। स्वस्थ समाज और परंपराएं ही समरस वातावरण बना सकती हैं। देवनानी ने यह भी कहा कि अंत्योदय, संयम और त्याग पंडित जी की राजनीति के केंद्र में थे, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. महेश चंद्र शर्मा (अध्यक्ष, एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान) ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजनीति में रहते हुए भी विचारों की प्रतिस्पर्धा को स्वीकार करते थे, किंतु वे समभाव, संवाद और सहयोग की संस्कृति के पक्षधर थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों के नवाचार और समाधान प्रस्तुत करने का अवसर है। समारोह को स्वागत उद्बोधन में विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने पं उपाध्याय के विचारों की वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिकतरा और आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्र का निर्माण सीमाओं से नहीं, बल्कि संबंधों, संवेदना और समर्पण से होता है। हमारी संस्कृति ही राष्ट्र की आत्मा है और उसकी रक्षा में ही राष्ट्र की सुरक्षा निहित है। वहीं प्रो. मोहनलाल छिपा ने समारोह की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि दीनदयाल विचार केवल ग्रंथों तक सीमित न रहकर नागरिकों के आचरण में उतरना चाहिए। प्रथम दिन इन विषयों पर हुआ विचार-मंथन प्रथम दिन 'राजनीतिज्ञ पंडित दीनदयाल उपाध्याय', 'पत्रकार और साहित्यकार के रूप में पं. उपाध्याय' और 'संस्थान एवं गैर-सरकारी संगठनों में दीनदयाल दर्शन की भूमिका' जैसे विषयों पर मंथन हुआ। वक्ताओं में डॉ. एस. एस. उपाध्याय, डॉ. इन्दूशेखर तत्पुरुष, गोपाल शर्मा, अतुल जैन, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रो. मोहनलाल छीपा और मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी शामिल रहे। पुस्तक विमोचन और चित्र प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 4-5 जून 1964 को उदयपुर में दिए गए बौद्धिक विमर्शों पर आधारित पुस्तक 'एकात्मक मानवदर्शन' का विमोचन भी किया गया। साथ ही, उनकी जीवनदृष्टि और विचारधारा पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका अवलोकन प्रतिभागियों सहित विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने किया। आयोजन सचिव डॉ. युवराज सिंह राठौड़ ने बताया कि दो दिवसीय इस समारोह में देशभर से लगभग 300 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। आयोजन में पूर्व मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, प्रो. कन्हैयालाल बेरवाल, बीएन संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़, डॉ. एन.एन. सिंह, डॉ. रेणु राठौड़, अनुराग सक्सेना, प्रो. बीएल चौधरी, प्रो. लोकेश शेखावत, हेमेंद्र श्रीमाली, गजपाल सिंह राठौड़, बंशीलाल खटीक, प्रो. प्रेम सिंह रावलोत, अक्षांश भारद्वाज, डॉ. अनिल कोठारी, नीरज कुमावत, डॉ. विजय प्रकाश विपलवी सहित अनेक विद्वान, शिक्षाविद एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह का संचालन डॉ. अनिता राठौड़ और राजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह आगरिया ने किया।

सांसद डॉ रावत ने जनसुनवाई में निबटाए कई मामले, एसडीओ धरियावद के खिलाफ मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने बुधवार को जिला परिषद में जन सुनवाई की जिसमें विभिन्न मुद्दों को लेकर 40 से अधिक परिवादनाएं आई। इनमें ज्यादातर जनसमस्याओं को लेकर थी, जिनका मौके पर समाधान किया गया। जनसुनवाई में एक मामला ऐसा भी आया जिसमें एक महिला ने अपनी निजी जमीन सरकार को दान कर दी, जिस पर आंगनवाडी केंद्र स्थापित किया गया। लेकिन एसडीओ ने इसे गैर कृषि कार्य बता कर महिला को ही नोटिस जारी कर जवाब मांग लिया। इस मामले में सांसद ने मुख्यमंत्री और प्रतापगढ कलेक्टर को पत्र लिख कर एसडीओ के खिलाफ कार्रवाई का की मांग की है। ? सांसद डॉ रावत ने दोपहर में जिला परिषद में जनसुनवाई की जिसमें लोग अलग-अलग मुद्दों को लेकर अपना मांग पत्र लेकर आए। कई लोग अपने तबादला प्रकरण और निजी समस्याओं को लेकर भी आए, जिन्हें भी सुना गया। एकलिंगपुरा के नागरिकों की ओर से दिए गए ज्ञापन में झामरकोटडा रोड को 150 फीट चौडा करने के संबंध में आपत्ति जताई गई और इसको 100 फीट ही रखने तथा अवाप्ति प्रक्रिया दक्षिण दिशा की ओर करने की मांग की गई। लाडीया का खेडा तहसील कुराबड के मांगीलाल रेबारी ने वर्ष 2008 में आबंटित पट्टा नियमन की कार्रवाई की मांग की। राजस्व ग्राम देवाली पटवार मंडल सांगवा तहसील घासा में रास्ता खोलो अभियान के तहत राजस्व रिकॉर्ड अनुसार रास्ते का सीमांकन करवाकर कायम करवाने के संबंध में तारा माली ने परिवेदना पेश की। सांसडा गांव वासियों ने गांव के राजकीय स्कूल से नदी व श्मशान की ओर जाने वाले मार्ग पर शीघ्र अतिक्रमण हटवाने की मांग की। एक मामले में सांसद डॉ रावत ने महिला की परिवेदना सुनकर उपखण्ड अधिकारी, धरियावद, जिला प्रतापगढ़ के विरूद्ध कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री व कलेक्टर प्रतापगढ को पत्र लिखा है। बताया गया कि उपखण्ड अधिकारी के खिलाफ स्थानीय लोगों द्वारा लगातार मौखिक शिकायतें प्राप्त हो रही है, जो नाजायज रूप से लोगों को परेशान करने से सम्बन्धित है। शिकायतों में एक उदाहरण लोगों ने बताया कि जिसमें क्षेत्र की एक जनजाति महिला श्रीमती भेरकी पत्नी मांगीया मीणा ने अपनी निजी कृषि भूमि राज्यहित एवं क्षेत्रहित में आंगनवाड़ी भवन निर्माण के लिए दान दे दी। उक्त भूमि पर आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित हो रहा है। उपखंड अधिकारी ने महिला को नोटिस जारी कर कृषि भूमि पर गैर कृषि कार्य आंगनवाडी भवन सिंहाड बना होने को लेकर नोटिस जारी कर दिया और इस सम्बन्ध में जवाब प्रेषित करने हेतु पाबन्द भी किया गया है। सांसद ने पत्र में लिखा कि उपखण्ड अधिकारी का इस प्रकार का कृत्य स्पष्ट रूप से स्थानीय लोगों को जानबुझकर परेशान करने वाला है एवं आमजन के मध्य सरकार की छवि बिगाडने वाला है, इसलिए उपखण्ड अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाई करते हुए चार्जशिट देने एवं अविलम्ब अन्यत्र स्थानान्तरण करने के आदेश करने की मांग की है।

डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंगकर्मियों का हंगामा, बिना नोटिस हटाए गए 100 कर्मचारी, नई यूटीबी भर्ती पर उठे सवाल

24 न्यूज़ अपडेट

डूंगरपुर | श्रीहरिदेव जोशी मेडिकल कॉलेज, डूंगरपुर में नियुक्त लगभग 100 नर्सिंगकर्मियों को बिना पूर्व सूचना के हटाए जाने से बुधवार को अस्पताल परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। ये सभी कर्मचारी पिछले ढाई वर्षों से एजेंसी के माध्यम से कार्यरत थे, जिनकी सेवाएं अचानक समाप्त कर दी गईं। वहीं दूसरी ओर, राजमेस के माध्यम से यूटीबी (यूजी टेंपरेरी बेसिस) पर नई भर्तियाँ शुरू कर दी गई हैं, जिससे नाराज होकर पूर्ववर्ती कर्मी सड़कों पर उतर आए हैं।

ढाई साल की सेवा, फिर भी हटाया गया बिना नोटिस

नर्सिंगकर्मियों ने बताया कि वे पिछले ढाई वर्षों से नियमित रूप से मरीजों की सेवा में कार्यरत हैं। चाहे कोविड-19 महामारी हो या मौसमी बीमारियों का दौर, उन्होंने हर चुनौती में मरीजों का इलाज किया। परंतु, अब अचानक बिना किसी नोटिस या वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, जो न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि अमानवीय भी है।

यूटीबी के ज़रिए नई भर्तियाँ, पुराने कर्मचारियों में रोष

जहां एक ओर पुराने कर्मियों को हटाया गया, वहीं दूसरी ओर राजमेस के माध्यम से नई नर्सिंग भर्तियाँ की जा रही हैं। इन भर्तियों के लिए यूटीबी मॉडल को आधार बनाया गया है, जिससे पुराने कर्मचारियों को ऐसा महसूस हो रहा है कि उन्हें जानबूझकर बाहर किया जा रहा है, जबकि उनकी सेवाएं जारी रखी जा सकती थीं।

अनुभव और बोनस अंक से भी वंचित

कर्मियों का कहना है कि पूरे तीन साल की सेवा पूरी न होने के कारण उन्हें न तो अनुभव प्रमाण पत्र मिलेगा और न ही भविष्य की भर्तियों में बोनस अंक। इससे न केवल वे वर्तमान में बेरोजगार होंगे, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी धूमिल हो जाएंगी। कई कर्मी अब उम्र की सीमा पार करने की कगार पर हैं, जिससे स्थायी नौकरी पाने की आशा लगभग समाप्त हो गई है। प्रदर्शन में गूंजे नारे, अस्पताल परिसर में जमा हुआ जनसैलाब बुधवार सुबह नर्सिंगकर्मी अस्पताल की नई बिल्डिंग के सामने एकत्र हुए और जमकर नारेबाजी की। "हम चाहते हैं न्याय", "यूटीबी नहीं, हमें दो स्थायित्व", जैसे नारों से परिसर गूंज उठा। कर्मियों ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी मेहनत को नजरअंदाज किया गया है और अब उन्हें बेरोजगारी की ओर धकेला जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने प्रशासन के सामने मांग रखी कि या तो उन्हें यथावत कार्य पर रखा जाए अथवा स्थायी नियुक्तियों में समायोजित किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे चरणबद्ध तरीके से बड़ा आंदोलन करेंगे और स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होने की जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।